ई–समाचार पत्र

प्रज्ञान

'युवाओं का मंच'

सप्ताह का विचार

जिस समय जिस काम की प्रतिज्ञा करो, ठीक उसी समय पर उसे करना चाहिए, नहीं तो लोगों का विश्वास उठ जाता है!
–स्वामी विवेकानंद

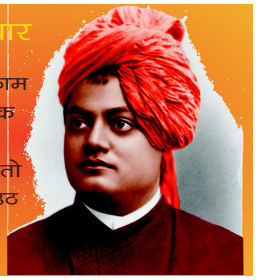

दिनांक: 5 मार्च 2016

प्रथम अंक

शुभकामना संदेश...

पत्रकारिता समाज और राष्ट्र की दशा से परिचय कराने और उसे नई दिशा दिखाने का कार्य है। लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ पत्रकारिता को इसी कारण कहा गया है क्योंकि यह लोकतन्त्र को आवाज देने का कार्य करता है। ऐसे में पत्रकारिता की बहुत बड़ी जवाबदेही बनती है कि क्या कहा जाए और क्या नहीं। राष्ट्र को एक नई सोच देना और गलत तथ्यों एवं घटनाओं की सही व्याख्या करना एक पत्रकार का काम है। ऐसा तभी सम्भव है जब नवोदित पत्रकारों को सही इतिहास की समझ हो और वे बदलाव की पत्रकारिता करें न कि हितों की। गणेश शंकर विद्यार्थी सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान ऐसे ही नवोदित पत्रकारों की पौध तैयार करने का केंद्र है। सूचना मिली कि संस्थान हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में ई–न्यूज पेपर तैयार कर रहा है। मैं सभी शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं को इसके लिए शुभकामनायें प्रेषित करता हूं।

डॉ. अतुल कृष्ण
संस्थापक
स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय

पत्रकारिता एवं जनसंचार एक प्रैक्टिकल फील्ड है। एक ऐसा क्षेत्र जिसमें पत्रकार का नजरिया ही निर्माण और विघटन का कारण बनता है। ऐसे में नवोदित पत्रकारों को प्रैक्टिकल की समझ आवश्यक है, वहीं उनके निर्माणकारी नजरिये का बीजरोपण भी उतना ही अहम है। यह कार्य पत्रकारिता की शिक्षा के दौरान ही किया जा सकता है। इसी क्रम में गणेश शंकर विद्यार्थी सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान के न्यूज लैटर नवोदित पत्रकारों को प्रैक्टिकल करने का मंच देंगे, वहीं नजरिया निर्माण में भी सहायक होंगे मेरी यही उम्मीद और कामनायें हैं।

डॉ. शैल्या राज
अध्यक्ष
स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय

मातृभाषा दिवस समारोह में कथक प्रस्तुत करते ललित कला विभाग के छात्र–छात्राएं। फोटो : शुभम कुमार

मातृभाषा के प्रति सम्मान व्यक्त करें युवा : एडीएम

सुभारतीपुरम : स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में गुरुवार को मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी डीपी श्रीवास्तव ने छात्र– छात्राओं को मातृभाषा के प्रति सम्मान व्यक्त करने और मातृभाषा को आदरपूर्वक ग्रहण करने की सीख दी।

मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी डीपी श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एनके आहूजा ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद ललित कला संकाय के छात्रों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एनके आहूजा ने कहा कि 'आजादी के बाद से हम हिंदी को राजभाषा और अंग्रेजी को कामकाज की भाषा के रूप प्रयोग करते आए हैं, लेकिन हमारा लगाव हमेशा अपनी मातृभाषा से रहा है। मातृभाषा प्रत्येक भाषा–भाषी क्षेत्र की अलग होती है, यह हिन्दी भी हो सकती है और बांग्ला भी, मलयालम भी हो सकती है और तमिल भी। इसलिए हमें त्रिभाषी भारतीय के रूप में अपने आप को ढालना होगा'। अपर जिला अधिकारी ने कहा कि ' जो हम बोलते हैं और जो हम समझते हैं वही मातृभाषा है और यह एकमात्र भाषा हिंदी ही हो सकती है'। इससे पूर्व ललित कला संकाय के छात्र–छात्राओं ने कथक नृत्य की प्रस्तुति देते हुए दर्शकों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद छात्रों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। पत्रकारिता संस्थान के छात्र राजकमल महतो ने 'अनेकता में एकता' विषय पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के स्वामी आत्मानंद और आचार्य अनुराग ने छात्रों को ध्यान करवाया और कहा कि 11 मार्च से 13 मार्च तक नई दिल्ली में 'विश्व संस्कृति दिवस' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 155 देशों के लोग भाग लेंगे। 155 देशों के बीच इस कार्यक्रम को आयोजित करने का सौभाग्य भारत को इसलिए मिला है, क्योंकि भारत अपनी संस्कृति के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की ओर से आए आर्टिस्ट ग्रुप ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति से समा बांध दिया।

इस उपलक्ष्य में 'अनेकता में एकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। वाद–विवाद प्रतियोगिता में पत्रकारिता संस्थान के राजकमल महतो ने प्रथम व बीएएलएलबी के रमेश धर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में बबूशा चौहान ने पहला, करिश्मा सचदेव ने दूसरा और अंजलि ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। गायन प्रतियोगिता मेंकिरन ने पहला, जमयांग चोड़न ने दूसरा और नितिन झाकड़ा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अनस सुल्तान ने पहला, संजोली जैन ने दूसरा और दर्शन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मंच संचालन डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विवके संस्कृति ने किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीके गर्ग, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशक, शिक्षकगण और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

शुभकामना संदेश...

गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान के लिए यह बेहद हर्ष का विषय है कि वह अपना पहला ई–समाचार पत्र शुरू कर रहा है। पत्रकारिता के छात्र–छात्राओं के लिए यह एक नई शुरुआत है, जो कि उनके लक्ष्य को प्राप्त करने का एक नया माध्यम बनेगा। अपने शीर्षक 'प्रज्ञान' की तरह यह छात्रों के विशेष ज्ञान को निखारने के साथ–साथ उनके भविष्य के लिए नए आयाम स्थापित करेगा। पत्रकारिता संस्थान के शिक्षकगणों और छात्र–छात्राओं को बहुत–बहुत बधाई।

डा. एनके आहूजा
कुलपति
स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय

समसामयिकी

➪ भारत के वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा ग्रामीण समर्थन में पेश किए आम बजट में देशवासियों की मिली–जुली प्रतिक्रिया रही।

➪ प्रियदर्शिनी चटर्जी फेमिना मिस इंडिया 2016 की प्रथम विजेता रही जब कि नताशा सिंह और रिंकी धिड़ियाल क्रमशः दूसरी और तीसरी विजेता रहीं।

➪ रेल मंत्री सुरेश प्रभु द्वारा पेश किए गए बजट में चार नई ट्रेनों अन्त्योदय एक्सप्रेस, दीनदयाल एक्सप्रेस, हमसफर और तेजस की घोषणा की गई।

➪ फोर्ब्स पत्रिका के वार्षिक रैंकिंग में भारत के उद्योगपति मुकेश अंबानी का विश्व के अरबपतियों की सूची में 36वां स्थान रहा।

➪ टी–20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच धर्मशाला में होने वाले मैच की मेजबानी करने से हिमाचल प्रदेश सरकार ने इंकार कर दिया, जिसके बाद केंद्र सरकार ने पर्याप्त अर्धसैनिक बल मुहैया कराने को कहा है।

➪ पीएम नरेन्द्र मोदी ने सेतु भारत्म प्रोजेक्ट लांच किया।

➪ केन्द्र सरकार ने 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस घोषित किया।

➪ मशहूर भारतीय अभिनेता मनोज कुमार को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से नवाजा गया।

➪ रासेल पुकुट्टी ने 'भारत की बेटी' के लिए गोल्डन रील अवॉर्ड जीता।

➪ चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया।

➪ केंद्र सरकार ने जोजिला सुरंग हेतु फिर से बोली लगाने का आदेश दिया।

➪ फारवर्ड ब्लाक के वरिष्ठ नेता अशोक घोष का निधन।

➪ केंद्र सरकार ने एफएसीटी को 1000 करोड़ रूपये ऋण देने की घोषणा की।

➪ भारतीय रेल ने अनारक्षित टिकटों पर बार कोडिंग प्रणाली का शुभारंभ किया।

➪ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया पर प्रतिबंध लगाया।

युवा सोच

असहिष्णुता का बवाल क्यों?

शिवानी देवी

भारत में वर्तमान समय में जितने भी सामायिक मुद्दे हैं उनमें से एक है असहिष्णुता। भारत में अगर किसी स्थान पर दो सम्प्रदायों में झगड़ा हो जाता है तो उसे असहिष्णुता का नाम दे दिया जाता है। भारत विभिन्नताओं वाला देश है। प्रत्येक सम्प्रदाय की संस्कृति अलग है, जिसके कारण लोगों के दृष्टिकोण में मतभेद पाया जाता है। इसी मतभेद के चलते झगड़े होना आम बात है, लेकिन कुछ नेता ऐसे झगड़ों को असहिष्णुता का रूप दे देते हैं जिसके कारण लोगों में और अधिक मतभेद होते चले जाते हैं।

समाज में सहयोग व संघर्ष दोनों समानांतर चलते रहते हैं। जब कई सम्प्रदायों के लोग एक साथ रहते हैं तो उनमें सहयोग भी पाया जाता है और कभी–कभी संघर्ष भी देखने को मिलता है, लेकिन यह संघर्ष उस समय हिंसा का रूप ले लेता है जब जनता के बीच से ही चुने गए नेता उस संघर्ष पर टिप्पणी कर देते हैं।

झगड़े सिर्फ अलग–अलग संप्रदायों में ही नहीं होते, यह तो एक समुदाय में भी हो जाते हैं और एक परिवार के लोगों में भी हो जाते हैं। जब हम एक साथ विभिन्न संस्कृतियों के बीच रहते हैं तो हमारे बीच प्यार भी होता है कभी–कभी तकरार भी होती है। इसका यह मतलब नहीं कि इन मुद्दों पर राजनीति की जाए या उन्हें सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए इस्तेमाल किया जाए।

असहिष्णुता के नाम पर विभिन्न साहित्यकारों ने अपने पुरस्कार लौटा दिए थे। कोई उन साहित्कारों से यह पूछे कि अगर भारत में असहिष्णुता है तो क्या तुम्हारे पुरस्कार लौटाने से यह समाप्त हो जाएगी। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने भी असहिष्णुता के ऊपर यह बयान दिया था कि उनकी पत्नी ने कहा कि क्या हमें यह देश छोड़ देना चाहिए। एक ऐसा अभिनेता जिसने अतिथि देवो भवः व सत्यमेव जयते जैसे कार्यक्रम से जुड़कर लोगों के मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डाला, वह व्यक्ति ऐसी बातें कह रहा है कि क्या मुझे भारत छोड़ देना चाहिए। अगर आमिर खान के बच्चों में ऐसी भावना है कि देश में असहिष्णुता है तथा उनके बच्चों में असुरक्षा की भावना है तो उनका यह कर्तव्य है कि वह अपने बच्चों की इस भावना को दूर करें तथा टीवी के जरिए ऐस कार्यक्रमों को आरंभ करें जिससे इस तरह का बवाल लोगों के मस्तिक पर हावी न हो और देश का माहौल सही बना रहे।

असलियत तो यह है कि देश में कहीं भी असहिष्णुता नहीं है। इस तरह की अफवाह ऐसे व्यक्ति फैलाते हैं, जो देश का माहौल खराब करना चाहते हैं। भारत एक सहिष्णु देश था, है और हमेशा रहेगा।

सुर्खियों में विद्यार्थी

संपादकीय टीम : अरविन्द कुमार, राकेश कुमार व सुरेंद्र कुमार रिपोर्टिंग टीम : पूजा व रूबी (एमजेएमसी प्रथम वर्ष), कीर्ति (बीजेएमसी तृतीय वर्ष), अपूर्वा (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष), आशीष सिंह (बीजेएमसी प्रथम वर्ष) फोटोग्राफी टीम : शुभम कुमार व यशु शर्मा (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष)
पृष्ठ सज्जा : अरविन्द कुमार *(आप अपने सुझाव और प्रश्न हमारी ईमेल आईडी gsvsijmcenewsletter@gmail.com पर भेज सकते हैं। हमसे संपर्क करने के लिए डायल करें : 0121–3055017, 9456068123)*
—— प्रकाशित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा ——